चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25-10-25	3	3-6

गेहूं की किस्म डब्ल्यूएच 1402 का निजी कंपनी से समझौता

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यूएच 1402 का निजी क्षेत्र की कम्पनी श्री संत सीड्स एलएलपी टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कंपनी के अधिकारियों के साथ • पीआरओ

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहें हैं ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए।

इस किस्म की खासियत

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यूएच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20- 25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25-10-25	4	7-8

हकृवि के गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी कंपनी से हुआ समझौता

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कंपनी के अधिकारियों के साथ।

हिसार, 24 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का टोहाना की निजी क्षेत्र की कम्पनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानो के उत्पादन में बढ़ौतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	25.10.25	10	1-3

हकृवि ने गेहूं की डब्ल्यूएच-1402 किस्म के लिए किया निजी कंपनी से एमओयू साइन

हिसार, 24 अक्तूबर (हप्र)

हिसार में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कंपनी के अधिकारियों के साथ। -हप्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) ने गेहूं की अधिक उपज देने वाली किस्म डब्ल्यूएच-1402 के लिए निजी कंपनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि वैज्ञानिक लगातार नई उन्नत किस्मों के बीज विकसित कर रहे हैं, ताकि किसानों की उपज बढ़ाई जा सके। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में अगेती, पछेती और समय पर बोई जाने वाली विभिन्न आवश्यकताओं के लिए तैयार की गई हैं। एमओयू पर विश्वविद्यालय से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग और कंपनी से निदेशक मलकीत सिंह व गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए। डॉ. गर्ग ने बताया कि डब्ल्यूएच-1402 की बिजाई का उचित समय अक्तूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह है। बीज की मात्रा 100 किग्रा. प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-10-25	3	2-4

वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे : वीसी

एचएयू का गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यूएच 1402 को लेकर कंपनी से हुआ समझौता

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यूएच 1402 का निजी क्षेत्र की कम्पनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं, ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

एचएयू के कुलपति प्रो. बींआर काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एमएस दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कंपनी के अधिकारियों के साथ।

डब्ल्यूएच 1402 किस्म : 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है

एचएयू अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20-25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती हैं तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-10-25	2	1-3

भरपूर मात्रा में मिलेगा डब्ल्यू एच 1402 बीज

एचएयू की गेहूं की उन्नत किस्म का निजी कंपनी से हुआ एमओयू

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित की गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यूएच 1402 का बीज अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए श्री संत सीड्स एलएलपी टोहाना के साथ समझौता किया है।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों ने गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की हैं।

कुलपति प्रो. कांबोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्तूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20- 25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है।

कंपनी के अधिकारियों के साथ एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोतः संस्थान

उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है और 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एमएस दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेंद्र भाटिया उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-10-25	5	3-5

हकृवि के गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी कम्पनी से हुआ समझौता

हिसार, 24 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी क्षेत्र की कम्पनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गएं। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कम्पनी के अधिकारियों के साथ।

सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20- 25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अत: पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एम.एस. दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	25.10.25	11	2-6

अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर के पहले सप्ताह तक बिजाई उचित

वैज्ञानिकों ने गेहूं की अगेती, पछेती व समय पर बिजाई की उन्नत किस्में विकसित की

हकृवि की गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी कंपनी से करार

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कंपनी के अधिकारियों के साथ। फोटो : हरिभूमि

डब्ल्यू एच 1402 किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती, वहीं इसकी बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की हैं, जो 100 सेंटीमीटर ऊंचाई की हैं, इनके गिरने का खतरा न के बराबर होता हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी क्षेत्र की कंपनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

इस कंपनी के साथ हुआ समझौता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए।

यह रहे उपस्थित

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एमएस दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

उपरोक्त किस्म की खासियत

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20-25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	24.10.2025		

गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच-1402 का निजी कंपनी से हुआ समझौता

नभ-छोर न्यूज ⏭ 24 अक्टूबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच-1402 का निजी क्षेत्र की कम्पनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं। प्रो. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए।

अक्टूबर के अंतिम व नवंबर के पहले सप्ताह में होती डब्ल्यू एच-1402 की बिजाई

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20- 25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एम.एस. दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	24.10.2025		

हकृवि के गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का संत सीड्स एलएलपी कंपनी से हुआ समझौता

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी क्षेत्र की कम्पनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, डॉ. एसके पाहुजा, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. वीरेन्द्र मोर, डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एम.एस. दलाल, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणु मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

किस्म की खासियत : अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20- 25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लौह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	24.10.2025		

हकृवि के गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी कंपनी से हुआ समझौता

हिसार (जगमार्ग न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने

वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी क्षेत्र की कम्पनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20- 25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एम.एस. दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	25.10.2025		

हकृवि के गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी कंपनी से हुआ समझौता

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 25 अक्टूबर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों के बीज देश एवं प्रदेश में अधिक से अधिक किसानों को उपलब्ध करवाने के लिए निजी क्षेत्र की कम्पनियों के साथ समझौते किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा अधिक उत्पादन देने वाली गेहूं की उन्नत किस्म डब्ल्यू एच 1402 का निजी क्षेत्र की कम्पनी श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लगातार उन्नत किस्मों के बीज विकसित किए जा रहे हैं ताकि किसानो के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा गेहूं की अगेती, पछेती और समय पर बिजाई करने के लिए विभिन्न उन्नत किस्में विकसित की गई हैं।

इस कम्पनी के साथ हुआ समझौता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय की ओर से अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने जबकि कंपनी की ओर से श्री संत सीड्स एलएलपी, टोहाना के निदेशक मलकीत सिंह वह गुरमीत सिंह ने हस्ताक्षर किए।

उपरोक्त किस्म की खासियत

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि गेहूं की नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 की बिजाई का उचित समय अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से नवंबर का पहला सप्ताह है। तथा बीज की मात्रा 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर है। इस किस्म को दो पानी जिसमें पहला पानी बिजाई के 20- 25 दिन बाद शिखर जड़ें निकलते समय व दूसरा पानी बिजाई के 80-85 दिन बाद बालियां निकलते समय देने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त किस्म की 100 दिन में बालियां निकलती है तथा 147 दिन में पककर तैयार हो जाती है। इस किस्म की बालियां लंबी (14 सेंटीमीटर) व लाल रंग की है। इस किस्म की ऊंचाई 100 सेंटीमीटर है जिससे इसके गिरने का खतरा न के बराबर है। इसकी किस्म का दाना मोटा है। इसमें 11.3 प्रतिशत प्रोटीन, हेक्टोलीटर वेट (77.7 केजी/एचएल) लोह तत्व (37.6 पीपीएम), जिंक (37.8 पीपीएम) है। अतः पौष्टिकता के हिसाब से यह किस्म अच्छी है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र मोर, गेहूं व कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. करमल सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. एम.एस. दलाल, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल व डॉ. जितेन्द्र भाटिया उपस्थित रहे।